

राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर लगाए आरोपों पर बरसे सीएम मोहन यादव

बोले- संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने से पहले कांग्रेस अपने आचरण पर करे आत्ममंथन

भोपाल, यश भारत ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा निर्वाचन आयोग को लेकर लगाए गए आरोपों पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक असहमति के लिए पूरी जगह है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा का सम्मान करना भी जरूरी है। राहुल गांधी ने हाल ही में निर्वाचन आयोग और चुनाव प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं।

भजपा प्रदेश कार्यालय में हुई प्रचारकारवाा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के नेता का पद लोकतंत्र में महत्वपूर्ण है। इसलिए निर्वाचन आयोग, सुप्रीम कोर्ट और अन्य संवैधानिक संस्थाओं को लेकर सार्वजनिक बयान देते समय जिम्मेदारी और संयम बरतना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल आरोप लगाने के बजाय संबंधित संस्थाओं के जवाब और न्यायिक प्रक्रिया को भी सामने रखना चाहिए।



डॉ. यादव ने कांग्रेस के राजनीतिक इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी को अपने अतीत और वर्तमान राजनीतिक आचरण पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष की भी जिम्मेदारी होती है और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए दोनों पक्षों को अपनी भूमिका गंभीरता से निभानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी के विभिन्न राजनीतिक बयानों का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस लगातार अलग-अलग मुद्दों पर सरकार, सेना और संवैधानिक संस्थाओं को लेकर सवाल उठाती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार विरोध दर्ज कराने के दौरान भाषा की मर्यादा का भी ध्यान नहीं रखा जाता।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कांग्रेस की ओर से उठाए गए सवालों के बीच आयोग ने भी अपनी स्थिति स्पष्ट की है। आयोग के अनुसार एसआईआर से जुड़े निर्णयों पर किसी चुनाव आयुक्त ने अंतिम फैसले के खिलाफ औपचारिक असहमति दर्ज नहीं कराई थी और संबंधित आदेशों पर तीनों सदस्यों के हस्ताक्षर थे। डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस को लगातार चुनावी परिणामों और संगठन की स्थिति की समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता के जनादेश को स्वीकार करना लोकतंत्र की मूल भावना है। राजनीतिक दलों को अपनी कमियों पर आत्ममंथन करते हुए जनता के

बीच अपनी बात रखनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी से निर्वाचन आयोग को लेकर लगाए गए आरोपों के संदर्भ में स्पष्टीकरण और माफी की मांग भी की। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर आरोप लगाने के बजाय राजनीतिक दलों को तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखनी चाहिए। डॉ. यादव ने कहा कि भारत के लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों की सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे समय में जब पड़ोसी देशों में राजनीतिक अस्थिरता की स्थितियां देखने को मिल रही हैं, भारत में लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास और संवैधानिक मर्यादाओं को बनाए रखना और भी जरूरी हो जाता है।

28 सितंबर को दिखेगा इक्वीलक्स का असर, कुछ सेकंड का रहेगा अंतर

आज मध्य भारत में दिन-रात का करीब 12-12 घंटे का संतुलन

यश भारत, भोपाल ।

मध्य भारत में आज सोमवार को दिन और रात की अवधि लगभग बराबर रहने वाली है। मध्य प्रदेश के कई शहरों में सूर्योदय से सूर्यास्त तक का समय करीब 12 घंटे रहेगा। खगोलीय विज्ञान में इस स्थिति को इक्वीलक्स कहा जाता है। हालांकि यह स्थिति सितंबर में होने वाले इक्वीनॉक्स से अलग है। राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त खगोल विज्ञान प्रसारक सारिका घरू के अनुसार, आमतौर पर माना जाता है कि इक्वीनॉक्स के दिन ही दिन और रात बराबर होते हैं, जबकि ऐसा जरूरी नहीं है। इक्वीनॉक्स सूर्य की आकाशीय स्थिति से जुड़ी घटना है, जबकि इक्वीलक्स किसी खास स्थान पर सूर्योदय से सूर्यास्त तक करीब 12 घंटे की अवधि बनने की स्थिति है।

भोपाल में आज करीब 12 घंटे का दिन

28 सितंबर को भोपाल में सूर्योदय सुबह करीब 6:10 बजे और सूर्यास्त शाम करीब 6:10 बजे होगा। इस तरह यहां दिन की अवधि लगभग 11 घंटे 59 मिनट 59 सेकंड रहेगी। यानी दिन और



रात की अवधि में केवल कुछ सेकंड का अंतर रह जाएगा।

नर्मदापुरम में दिन की अवधि करीब 12 घंटे 8 सेकंड, रायसेन में 11 घंटे 59 मिनट 58 सेकंड और छिंदवाड़ा में करीब 12 घंटे 20 सेकंड रहने की गणना है।

इक्वीनॉक्स और इक्वीलक्स में अंतर

सारिका घरू ने बताया कि इक्वीनॉक्स के दौरान सूर्य की किरणें भूमध्य रेखा पर लगभग लंबवत पड़ती हैं और दोनों गोलार्धों को लगभग समान प्रकाश मिलता है। वहीं इक्वीलक्स में किसी विशेष स्थान पर सूर्योदय से सूर्यास्त तक की अवधि लगभग 12 घंटे हो जाती है। सूर्योदय-सूर्यास्त के समय पर वायुमंडलीय अपवर्तन और सूर्य के ऊपरी किनारे के दिखाई देने का भी प्रभाव पड़ता है। इसी कारण इक्वीनॉक्स की तारीख और दिन-रात के लगभग बराबर होने की तारीख अलग हो सकती है।

इसके बाद छोटी होती जाएगी दिन की अवधि

आज के बाद उत्तरी गोलार्ध में दिन की अवधि धीरे-धीरे कम और रातें लंबी होती जाएंगी। इस लिहाज से 28 सितंबर मध्य भारत में प्रकृति के दिन-रात के करीब-करीब 50-50 संतुलन को देखने की खास तारीख है।

केंद्रीय व क्षेत्रीय समिति की बैठक में सर्वसम्मति से हुआ चयन रायसिंह मेवाड़ा बने मेवाड़ा समाज के निर्विरोध अध्यक्ष

आष्टा, यश भारत ।

सेमनरी रोड स्थित मेवाड़ा समाज छात्रावास में केंद्रीय एवं क्षेत्रीय समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें समाज के प्रबुद्धजनों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं पूर्व मंडी डायरेक्टर रायसिंह मेवाड़ा को सर्वसम्मति से समाज का नया अध्यक्ष चुना गया। सभी सदस्यों ने उनके नाम का समर्थन किया, जिसके बाद उन्हें निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया। बैठक की शुरुआत महाराणा प्रताप के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण से हुई। इसके बाद समाज के संगठन विस्तार, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, शिक्षा को बढ़ावा देने और युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। अध्यक्ष चुने जाने के बाद रायसिंह



मेवाड़ा का फूलमालाओं और साफा पहनाकर स्वागत किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष रायसिंह मेवाड़ा ने कहा कि समाज के वरिष्ठजनों ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे पूरी निष्ठा से निभाया जाएगा।



भोपाल मास्टर प्लान का ड्राफ्ट जारी होने पर व्यापारियों ने जताया आभार

हिरदाराम नगर, यशभारत

मास्टर प्लान (विकास योजना-2047) का ड्राफ्ट जारी होने पर भोपाल व सतनगर के व्यापारी संघों एवं व्यावसायिक संगठनों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार जताया है। भोपाल भाजपा जिलाध्यक्ष रवींद्र यादव ने नेतृत्व एवं बीसीसीआई अध्यक्ष गोविंद गौतम की उपस्थिति में व्यापारी प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की और उनका स्वागत किया। इस अवसर पर सत हिरदाराम नगर एवं भोपाल के प्रमुख व्यापारी प्रतिनिधि कन्हैया लाल ईसरानी, वासुदेव वाधवाणी, नरेंद्र लालवानी, प्रवीण प्रेमचंदानी, दिनेश वाधवाणी सहित विभिन्न व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। व्यापारियों का कहना है कि नवीन मास्टर प्लान से शहर के व्यापारिक परिदृश्य को नई दिशा मिलेगी और बुनियादी ढाँचे का तीव्र गति से विकास होगा।

भोपाल विज्ञान मेले देखा मिठी स्कूल के बच्चों ने

नवीन प्रयोगों, नवाचारों और वैज्ञानिक उपलब्धियों से हुए परिचित



हिरदाराम नगर, यशभारत

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने 13वें भोपाल विज्ञान मेले 'दर्शन' का शैक्षिक भ्रमण एवं अवलोकन किया। यह विज्ञान मेला बरकतउल्ला विश्वविद्यालय परिसर स्थित ज्ञान-विज्ञान भवन एवं हैलीपैड मैदान, भोपाल में आयोजित किया। विद्यार्थियों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नवीन प्रयोगों, नवाचारों और वैज्ञानिक उपलब्धियों से परिचित कराते हुए उनमें जिज्ञासा, तार्किक चिंतन, समस्या-समाधान की क्षमता तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना रहा। मेले के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों, प्रयोगों, तकनीकी नवाचारों एवं ज्ञान-विज्ञान से संबंधित प्रदर्शनों का उत्सुकतापूर्वक अवलोकन किया। संस्थान सचिव घनश्याम बूलचंदानी का कहना है कि इस तरह के वैज्ञानिक मेले निश्चित ही छात्रों की विज्ञान विषय संदर्भित जिज्ञासाओं को प्रबल करते हैं तथा उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के सबल माध्यम भी बनते हैं। विद्यालय की प्राचार्या रेखा केवलानी व उप प्राचार्या दिव्या कुपलानी का कहना है कि 'ऐसे शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर विज्ञान को अनुभव करने और उसके व्यावहारिक पक्ष को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही नवाचार की आधारशिला है।

रानी कमलापति स्टेशन पर मन की बात का सामूहिक श्रवण

भोपाल, यश भारत। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 138वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण किया गया। बड़ी संख्या में कुलियों, यात्रियों और रेलकर्मियों ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। स्टेशन परिसर में यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री का संबोधन ध्यानपूर्वक सुना। इस अवसर पर सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया सहित रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

सालाना 50 से 55 हजार रुपये तक का अतिरिक्त भार, सरकार से राहत की मांग टैक्सी चालकों ने उठाए शुल्क और रोजगार से जुड़े सवाल

भोपाल यश भारत ।

टैक्सी यूनियन कल्याण समिति संपूर्ण भारत के भोपाल प्रभारी जावेद खान ने टैक्सी चालकों पर विभिन्न शुल्कों और औपचारिकताओं के नाम पर पड़ रहे आर्थिक बोझ को लेकर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि एक ओर निजी वाहनों और एग्रीगेटर आधारित सेवाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है वहीं दूसरी ओर वैध रूप से टैक्सी संचालन करने वाले चालकों पर लगातार आर्थिक भार बढ़ रहा है।



जावेद खान के अनुसार टैक्सी चालकों को पैनिक बटन के नाम पर करीब 14 से 18 हजार रुपये फिनेस के लिए 2500 से 4000 रुपये परमिट के लिए 5 से 7 हजार

आता है। खान ने कहा कि टैक्सी चलाना हजारों परिवारों की आजीविका का मुख्य साधन है। ऐसे में शुल्क और अन्य खर्चों का बढ़ता बोझ उन चालकों के लिए गंभीर समस्या बन रहा है जो पूर्णकालिक रूप से इसी व्यवसाय पर निर्भर हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि परिवहन क्षेत्र में निजी वाहनों और एग्रीगेटर सेवाओं को बढ़ावा दिया जाता है तो पारंपरिक टैक्सी चालकों के रोजगार और भविष्य की सुरक्षा के लिए क्या व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने सरकार से मांग की कि पूर्णकालिक टैक्सी

चालकों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए शुल्क एवं अन्य अनिवार्य खर्चों की समीक्षा की जाए तथा रोजगार पर पड़ रहे प्रभाव का भी अध्ययन किया जाए। जावेद खान ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से टैक्सी चालकों की समस्याओं पर चर्चा कर समाधान निकालने की अपील की है। उन्होंने कहा कि टैक्सी चालक अपने परिवारों के भरण पोषण के लिए इसी व्यवसाय पर निर्भर हैं इसलिए नीतियां बनाते समय उनके हितों और आजीविका को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

स्वर्ण पालकी में विराजित श्रीजी की निकली भव्य जययात्रा

एकम के जुलूस का कैलाश परमार मित्र मंडल ने किया स्वागत

आष्टा, यश भारत ।

दिगंबर जैन समाज के दस लक्षण पर्वपूषण पर्व के समापन के बाद किला जैन मंदिर से एकम की भव्य जययात्रा निकाली गई। स्वर्ण पालकी में विराजित श्रीजी की प्रतिमा को नगर के प्रमुख मार्गों से भ्रमण कराया गया। चातुर्मास के लिए नगर में विराजमान मुनिश्री सागर जी महाराज और मुनि अगर्भ सागर जी महाराज संसंध ने भी जुलूस की शोभा बढ़ाई। जुलूस में आकर्षक रथ, बगियाँ और ढोल शामिल रहे। नगर के विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों ने जगह-जगह जुलूस का स्वागत किया। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष कैलाश परमार ने अपने मित्र मंडल के साथ श्रीजी की पूजा-अर्चना की। प्रगति पथ पर प्रगति परिवार की ओर से भी श्रीजी का पूजन कर मुनिश्री की चरणवंदना की गई। इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष आनंद पोरवाल, चातुर्मास समिति



संयोजक गोपी सेठी, सहसंयोजक आयुष जैन सहित समाज के अनेक पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। सकल हिंदू समाज अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाह सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी जुलूस में शामिल होकर पूजन-अर्चना किया। आयोजकों की ओर से समाज के पदाधिकारियों का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया।

सिंधी गरबा महोत्सव का पोस्टर विमोचन



हिरदाराम नगर, यशभारत

सिंधी मेला समिति द्वारा आयोजित किए जाने वाला भव्य 'सिंधी गरबा महोत्सव' इस वर्ष अपने 20वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। चार दिवसीय यह गरबा महोत्सव 15 से 18 अक्टूबर तक लालघाटी स्थित सुंदरवन गार्डन में 11:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। महोत्सव की तैयारियों को लेकर रविवार को गुरुनानक टेकरी स्थित कबीर कुटिया में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान समिति के पदाधिकारियों ने आगामी गरबा महोत्सव के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन भी किया। समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने बताया कि यह मध्य प्रदेश का पहला

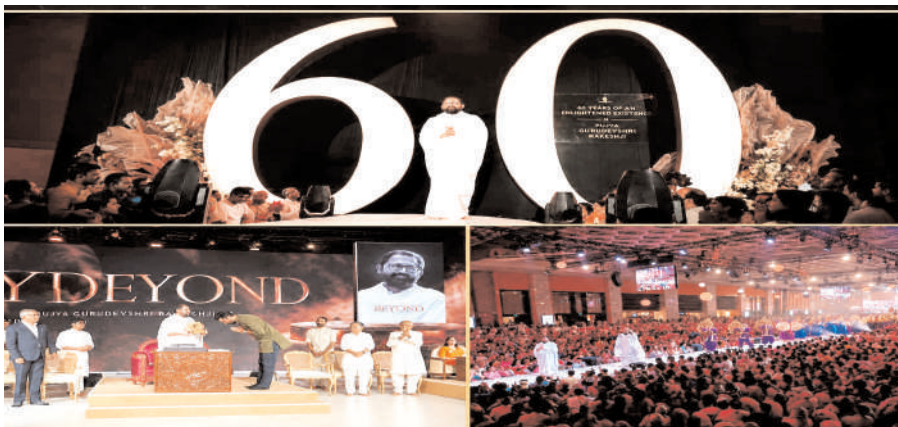
और सबसे बड़ा सामाजिक गरबा आयोजन है, जिसमें पूरा सिंधी समाज एकजुट होकर भाग लेता है। बैठक में गरबा स्थल की भव्य सजावट, सुरक्षा व्यवस्था, फूड स्टॉल्स, वैले पार्किंग और सुरक्षा इंतजामों पर विस्तार से चर्चा की गई।

14 अक्टूबर तक जारी रहेगा 7 केंद्रों पर प्रशिक्षण

बैठक में भोपाल शहर में संचालित सभी 07 गरबा प्रशिक्षण केंद्रों के व्यवस्थापकों ने भाग लिया और अपने-अपने केंद्रों की प्रगति रिपोर्ट साझा की। उल्लेखनीय है कि 13 सितंबर से शुरू हुआ यह निःशुल्क गरबा प्रशिक्षण 14 अक्टूबर तक निरंतर जारी रहेगा।

60 वर्षों की आध्यात्मिक यात्रा का उत्सव, मुंबई में जुटे 24 देशों के हजारों साधक विवेक, वैराग्य और आंतरिक वैभव की थीम पर हुआ दो दिवसीय आयोजन

मुंबई, यश भारत। श्रीमद् राजचंद्र मिशन धरमपुर की ओर से पूज्य गुरुदेवश्री राकेशजी के 60वें जन्मदिवस के अवसर पर 25 और 26 सितंबर को मुंबई के जियो विश्व सम्मेलन केंद्र में दो दिवसीय 'आहो गुरुदेव' समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में 214 शहरों, 24 देशों और पांच महाद्वीपों से हजारों साधक शामिल हुए। दो दिवसीय आयोजन को खेक, वैराग्य और आंतरिक वैभव की अवधारणा पर केंद्रित किया गया। कार्यक्रम में आध्यात्मिक प्रवचन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, धार्मिक अनुष्ठान और सेवा गतिविधियाँ आयोजित की गईं। गुरुदेवश्री राकेशजी ने समारोह के दौरान सचेत होकर चुनाव करने, साहसपूर्वक त्याग करने और करुणापूर्वक सेवा करने के विषयों पर तीन प्रवचन दिए। पहले दिन वरिष्ठ संन्यासी आचार्य जेम्सजी ने गुरुदेवश्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सर्वभौमिक उत्थान के लिए 60 महत्त्वपूर्ण परिचोजनाओं का शुभारंभ किया गया। इनमें 30 परिचयनाएँ निस्वार्थ सेवा



और 30 आध्यात्मिक विकास से जुड़ी हैं। समारोह का दूसरा दिन आत्मार्पित दीक्षा समारोह के लिए विशेष रहा। इसमें 11 युवा साधकों ने ब्रह्मचर्य के संकल्प के साथ दीक्षा ग्रहण की। इसके अलावा दुनिया भर के साधकों की ओर से शुभकामनाओं की वैश्विक प्रस्तुति और युवाओं द्वारा 'आहो गुरुदेव' सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत

किया गया। आयोजन में विभिन्न आध्यात्मिक परंपराओं के संतों और धर्मगुरुओं की भी उपस्थिति रही। इनमें स्वामी स्वर्णानंदजी, ब्रह्माकुमारी सेंटर शिवानी, मोरारी बापू, आनंदमूर्ति गुरुमों और स्वामी चिदानंद सरस्वती सहित अन्य संत शामिल रहे। समारोह में उद्योग, कला और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े कई प्रमुख

लोग भी पहुंचे। नारायण मूर्ति, एन. चंद्रशेखरन और अभिनेता रणबीर कपूर समेत कई हस्तियों ने गुरुदेवश्री के सेवा और आध्यात्मिक कार्यों की सराहना की। मुंबई से शुरू हुआ यह वर्षभर चलने वाला समारोह देश के विभिन्न शहरों के साथ दुबई, लंदन, टोरंटो और अमेरिका के शहरों तक पहुंचेगा।

‘जिन्हें आना है, वे हमारे साथ आएँ’ -शरद पवार

विलय और एनडीए में जाने की अटकलों को किया खारिज

मुंबई, यशभारत। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस के दोनों गुटों के संभावित विलय और एनडीए के साथ जाने की चर्चाओं को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। मुंबई में आयोजित पार्टी की बैठक में पवार ने कहा, ‘हम किसी के साथ नहीं जाएंगे। जिन्हें हमारे साथ आना है, वे हमारे साथ आएँ।’

पवार के इस बयान के बाद दोनों राष्ट्रवादी कांग्रेस गुटों के फिर एक होने की अटकलों को फिलहाल विराम लगा है। पिछले कुछ समय से दोनों गुटों के



नेताओं के बयानों के बाद संभावित विलय को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज थीं। इसी बीच पवार ने पार्टी की आगे की राजनीतिक दिशा को लेकर भी संकेत दिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार) अपने संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करेगी। पार्टी महाविकास आघाड़ी और इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर काम करती रहेगी। पवार के बयान से महाराष्ट्र की राजनीति में दोनों राष्ट्रवादी कांग्रेस गुटों के बीच संभावित समीकरणों को लेकर चर्चाओं का नया दौर शुरू हो गया है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि पवार के रुख के बाद दोनों गुटों के नेताओं की अगली राजनीतिक रणनीति क्या रहती है।

महाड में केमिकल फैक्ट्री में धमाका

चार गंभीर घायल, रिएक्टर फटने से लगी आग
दमकल और एनडीआरएफ ने संभाला मोर्चा

रायगढ़, यशभारत। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के महाड एमआईडीसी में सोमवार सुबह केमिकल फैक्ट्री में हुए जोरदार विस्फोट से इलाके में दहशत फैल गई। सिनर्जिया केम इंस्ट्रूज के प्लांट नंबर सी-57 में उत्पादन प्रक्रिया के दौरान रिएक्टर में अचानक विस्फोट हुआ। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज और झटके करीब 4 से 5 किलोमीटर दूर तक महसूस किए गए। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। फिलहाल, किसी की मौत की सूचना नहीं है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री में पैरा नाइट्रो टॉल्युन ऑर्बो सल्फोनिक एसिड का उत्पादन किया जा रहा था। इसी दौरान ओलियम और सल्फर की रासायनिक प्रक्रिया के बीच रिएक्टर टैंक में अचानक विस्फोट हुआ। इसके बाद फैक्ट्री परिसर में आग लग गई और आसमान में धुएं का बड़ा गुबार दिखाई देने लगा।



हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस,

दमकल, चिकित्सा दल और एनडीआरएफ की टीमों मौके पर पहुंचीं। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग और स्थिति पर नियंत्रण पाया गया। घायलों को महाड ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विस्फोट के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस और औद्योगिक सुरक्षा विभाग यह पता लगाने में जुटे हैं कि हादसा तकनीकी खराबी के कारण हुआ या रासायनिक प्रक्रिया में किसी गड़बड़ी के चलते। हादसे के बाद महाड एमआईडीसी में औद्योगिक सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

सूखे की चपेट में महाराष्ट्र

265 तहसीलों में हाहाकार, विदर्भ-मराठवाड़ा सबसे ज्यादा प्रभावित

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र में कम बारिश और लंबे समय तक बारिश नहीं होने के कारण सूखे का संकट गहरा गया है। राज्य सरकार ने 358 में से 265 तहसीलों में सूखा घोषित किया। ये तहसीलें राज्य के 36 में से 34 जिलों में हैं। यह पिछले एक दशक में सबसे व्यापक सूखा प्रभावित क्षेत्र बताया जा रहा है।

सूखे की सबसे ज्यादा मार विदर्भ और मराठवाड़ा पर पड़ी है। विदर्भ की 95 और मराठवाड़ा की 74 तहसीलें सूखा प्रभावित हैं। दोनों क्षेत्रों की 169 तहसीलें कुल प्रभावित तहसीलों का करीब 64 प्रतिशत हैं। इसके अलावा उत्तर महाराष्ट्र की 49, पश्चिम महाराष्ट्र की 35 और कोंकण की 12



तहसीलों को भी सूखा प्रभावित घोषित किया गया है। यवतमाल की 16 तहसीलें सबसे अधिक प्रभावित हैं। सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों के लिए 12 राहत उपाय घोषित किए हैं। इनमें कृषि ऋण के पुनर्गठन, वसूली पर रोक, कृषि पंपों के बिजली बिल में रियायत, विद्यार्थियों

ठाणे में बुलेट ट्रेन का पहला स्टील पुल लॉन्च

नासिक हाईवे पर रात में चला 1,405 टन का ‘मेगा ऑपरेशन’

मुंबई, यशभारत। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत महाराष्ट्र में निर्माण कार्य ने रफ्तार पकड़ ली है। ठाणे जिले के भिवंडी स्थित दिवे-अंजुर गांव के पास नासिक राजमार्ग के ऊपर 100 मीटर लंबा और 1,405 मीट्रिक टन वजनी स्टील पुल सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। यह महाराष्ट्र में इस परियोजना के तहत स्थापित पहला स्टील पुल है। राष्ट्रीय उच्च गति रेल निगम लिमिटेड के अनुसार, पूरे गलियारे में 28 स्टील पुल प्रस्तावित हैं, जिनमें 16 का निर्माण पूरा हो चुका है।

इस विशाल पुल का निर्माण महाराष्ट्र से करीब 1,300 किलोमीटर दूर तमिलनाडु के त्रिची स्थित कार्यशाला में किया गया। तैयार

संरचना को विशेष ट्रेलरों से महाराष्ट्र लाया गया और मौके पर जोड़कर स्थापित किया गया। पुल को राजमार्ग से करीब 17.5 मीटर की ऊंचाई पर अस्थायी ढांचे पर तैयार किया गया। इसके बाद भारी क्षमता वाले जैक और विशेष यांत्रिक प्रणाली की सहायता से इसे निर्धारित स्थान पर पहुंचाया गया। राजमार्ग पर यातायात को कम से कम



प्रभावित करने के लिए पूरी प्रक्रिया रात में यातायात रोककर पूरी की गई। पुल की चौड़ाई 14 मीटर और ऊंचाई 14 मीटर है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन गलियारा कुल 508 किलोमीटर लंबा है।

महाड में केमिकल फैक्ट्री में धमाका

चार गंभीर घायल, रिएक्टर फटने से लगी आग
दमकल और एनडीआरएफ ने संभाला मोर्चा

रायगढ़, यशभारत। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के महाड एमआईडीसी में सोमवार सुबह केमिकल फैक्ट्री में हुए जोरदार विस्फोट से इलाके में दहशत फैल गई। सिनर्जिया केम इंस्ट्रूज के प्लांट नंबर सी-57 में उत्पादन प्रक्रिया के दौरान रिएक्टर में अचानक विस्फोट हुआ। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज और झटके करीब 4 से 5 किलोमीटर दूर तक महसूस किए गए। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। फिलहाल, किसी की मौत की सूचना नहीं है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री में पैरा नाइट्रो टॉल्युन ऑर्बो सल्फोनिक एसिड का उत्पादन किया जा रहा था। इसी दौरान ओलियम और सल्फर की रासायनिक प्रक्रिया के बीच रिएक्टर टैंक में अचानक विस्फोट हुआ। इसके बाद फैक्ट्री परिसर में आग लग गई और आसमान में धुएं का बड़ा गुबार दिखाई देने लगा।



हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस,

दमकल, चिकित्सा दल और एनडीआरएफ की टीमों मौके पर पहुंचीं। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग और स्थिति पर नियंत्रण पाया गया। घायलों को महाड ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विस्फोट के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस और औद्योगिक सुरक्षा विभाग यह पता लगाने में जुटे हैं कि हादसा तकनीकी खराबी के कारण हुआ या रासायनिक प्रक्रिया में किसी गड़बड़ी के चलते। हादसे के बाद महाड एमआईडीसी में औद्योगिक सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

सूखे की चपेट में महाराष्ट्र

265 तहसीलों में हाहाकार, विदर्भ-मराठवाड़ा सबसे ज्यादा प्रभावित

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र में कम बारिश और लंबे समय तक बारिश नहीं होने के कारण सूखे का संकट गहरा गया है। राज्य सरकार ने 358 में से 265 तहसीलों में सूखा घोषित किया। ये तहसीलें राज्य के 36 में से 34 जिलों में हैं। यह पिछले एक दशक में सबसे व्यापक सूखा प्रभावित क्षेत्र बताया जा रहा है।

सूखे की सबसे ज्यादा मार विदर्भ और मराठवाड़ा पर पड़ी है। विदर्भ की 95 और मराठवाड़ा की 74 तहसीलें सूखा प्रभावित हैं। दोनों क्षेत्रों की 169 तहसीलें कुल प्रभावित तहसीलों का करीब 64 प्रतिशत हैं। इसके अलावा उत्तर महाराष्ट्र की 49, पश्चिम महाराष्ट्र की 35 और कोंकण की 12



तहसीलों को भी सूखा प्रभावित घोषित किया गया है। यवतमाल की 16 तहसीलें सबसे अधिक प्रभावित हैं। सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों के लिए 12 राहत उपाय घोषित किए हैं। इनमें कृषि ऋण के पुनर्गठन, वसूली पर रोक, कृषि पंपों के बिजली बिल में रियायत, विद्यार्थियों

की परीक्षा फीस में छूट और ग्रामीण रोजगार योजनाओं में राहत शामिल हैं। पेयजल के लिए टैंकर, पशुओं के लिए चारा-पानी और अतिरिक्त जलसंधारण कार्य भी किए जाएंगे। फसल नुकसान का मुआवजा पंचनामे पूरे होने के बाद अलग से घोषित किया जाएगा।

डॉक्टर से मारपीट मामला: म्हात्रे को सुप्रीम कोर्ट का झटका

हाईकोर्ट की सशर्त जमानत रद्द, तीन दिन में आत्मसमर्पण का आदेश

मुंबई, यशभारत। डोंबिवली के सरकारी अस्पताल में महिला डॉक्टर से मारपीट के मामले में शिवसेना (शिंदे गुट) के नगरसेवक रमेश म्हात्रे को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। सर्वोच्च न्यायालय ने बॉम्बे हाईकोर्ट से मिली सशर्त जमानत रद्द करते हुए म्हात्रे को तीन दिनों के भीतर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया है।



हाईकोर्ट ने म्हात्रे को महाराष्ट्र से बाहर रहने और गोवा के स्थानीय पुलिस थाने में नियमित हाजिरी लगाने की शर्त पर जमानत दी थी। इस आदेश के खिलाफ म्हात्रे ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने घटना को लेकर कड़ी नाराजगी जताई। राज्य सरकार ने भी जमानत रद्द करने की मांग की थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की जमानत रद्द कर

दी। अब म्हात्रे को तीन दिनों के भीतर आत्मसमर्पण करना होगा। इसके बाद नियमित जमानत के लिए उन्हें फिर कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा। जांच के दौरान पुलिस ने म्हात्रे की आवाज का नमूना लिया है, जबकि अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज की फॉरेंसिक जांच भी की गई है। म्हात्रे ने मारपीट से इनकार करते हुए दावा किया था कि उन्होंने केवल ध्यान आकर्षित करने के लिए डॉक्टर के हाथ पर थपकी दी थी।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस का राज्यव्यापी मोर्चा

मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को लेकर प्रदर्शन, पद से हटाने और गिरफ्तारी की मांग



मुंबई, यशभारत। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस ने सोमवार को महाराष्ट्रभर में विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी ने मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कुमार को पद से हटाने तथा गिरफ्तारी की मांग की। मुंबई के अलावा पुणे, कोल्हापुर, सोलापुर, नासिक, नागपुर, ठाणे, अमरावती, छत्रपति संभाजीनगर, चंद्रपुर, नांदेड, लातूर, रायगढ़, पालघर और यवतमाल सहित विभिन्न जिलों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालयों तक मोर्चे निकाले। प्रदर्शन के बाद प्रशासन को जापान सौंपे गए। नागपुर में कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक पुतला जलाकर विरोध जताया।

कांग्रेस ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूचियों से बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि इस प्रक्रिया और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। कांग्रेस ने चुनाव आयोग के फैसलों और मतदाता सूची में हुए बदलावों की स्वतंत्र समीक्षा की मांग भी की है। प्रदर्शन में सतेज पाटील, प्रणिती शिंदे, यशोमति ठाकुर, बलवंत वाखेडे, कल्याण काले और प्रतिभा धानोरकर सहित कई नेता शामिल हुए। कांग्रेस ने कहा है कि उसकी मांगों को लेकर आंदोलन जारी रहेगा।

स्पैम का वार, एआई की दीवार!

दो साल में 98.4 अरब सद्विध संपर्कों की पहचान
16.2 लाख खतरनाक लिंक ब्लॉक

मुंबई, यशभारत। अनजान नंबर से आने वाली फोन कॉल, बैंक के नाम पर भेजे गए संदेश या संदिग्ध लिंक पर एक क्लिक लोगों को आर्थिक धोखाधड़ी का शिकार बना सकता है। डिजिटल लेन-देन बढ़ने के साथ साइबर ठगी पर लगाम लगाने के लिए दूरसंचार कंपनियां अत्याधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल कर रही हैं। एयरटेल के अनुसार, उसकी एआई आधारित सेफ नेटवर्क प्रणाली ने सितंबर 2024 से अब तक 98.4 अरब से अधिक स्पैम कॉल और 4.4 अरब स्पैम संदेशों की पहचान की है। कंपनी के मुताबिक, यह तकनीक संदिग्ध और संभावित धोखाधड़ी वाले संपर्कों की पहचान कर शाहकों को समय

रहते सतर्क करती है। कंपनी ने बताया कि संदिग्ध वेबसाइट और लिंक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अब तक 16.2 लाख से अधिक खतरनाक लिंक ब्लॉक किए गए हैं। यह प्रणाली फर्जी बैंकिंग कॉल, धोखाधड़ी वाले संदेश और ओटीपी के जरिए होने वाली वित्तीय ठगी से शाहकों को बचाने के उद्देश्य से काम कर रही है। तकनीक आधारित सुरक्षा व्यवस्था का मकसद साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले संदिग्ध नंबरों, संदेशों और लिंक की पहचान कर उन्हें शाहकों तक पहुंचने से रोकना है। हालांकि, इसके बावजूद लोगों को अनजान कॉल से सावधान रहने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने और किसी के साथ ओटीपी साझा नहीं करने की जरूरत है।

खोपड़ी से चेहरा बनाएगा एआई

महाराष्ट्र पुलिस की तकनीक ने 37 लावारिस शवों को दिलाई पहचान

मुंबई, यशभारत। लावारिस शवों की पहचान की चुनौती से निपटने के लिए महाराष्ट्र पुलिस ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक का सहारा लिया है। रत्नागिरी के पुलिस अधीक्षक नितिन बागाटे की पहल पर विकसित आरएआईडीएस (रैपिड एआई इडेंटिफिकेशन एंड डिटेक्शन सिस्टम) ने अब तक 37 अज्ञात शवों की पहचान में पुलिस की मदद की है। इनमें बुरी तरह सड़े-गले और केवल कंकाल के रूप में मिले शव भी शामिल हैं।

यह प्रणाली क्षतिग्रस्त तस्वीरों, प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा बनाए गए रेखाचित्र, अधूरी तस्वीरों और खोपड़ी के आधार पर चेहरे का संभावित स्वरूप तैयार करती है। एक पुनर्निर्माण के आधार पर 108 तक वैज्ञानिक



तरीके से संभावित चेहरे तैयार किए जा सकते हैं। इसके दो प्रमुख मॉड्यूल 'देव दृष्टि' और 'देव रूप रेखा' हैं। कल्याण, नागपुर और रत्नागिरी के मामलों में इस तकनीक से पुलिस

को महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। पनवेल में बुरी तरह क्षतिग्रस्त महिला के शव की पहचान के लिए भी इसका इस्तेमाल किया गया। प्रणाली में फिलहाल 384 लापता लोगों का विवरण दर्ज है और नौ मामलों में चेहरे का पुनर्निर्माण किया जा चुका है। पुलिस के

शिवाजी पार्क में सीजेपी की रैली पर रोक

पुलिस ने सुझाया वैकल्पिक स्थल, अनुमति को लेकर सीजेपी और मुंबई पुलिस आमने-सामने

मुंबई, यशभारत। शिवाजी पार्क में रैली आयोजित करने की अनुमति को लेकर कारकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और मुंबई पुलिस आमने-सामने आ गए हैं। सीजेपी की ओर से शिवाजी पार्क में रैली के लिए अनुमति मांगी गई थी, लेकिन शिवाजी पार्क पुलिस ने आवेदन खारिज कर दिया है। पुलिस ने आवेदनकर्ता



अजिंक्य शिंदे को भेजे पत्र में कहा है कि शिवाजी पार्क में किसी भी सभा के लिए अनुमति देने का अधिकार मुंबई पुलिस के पास नहीं है। अपने निर्णय के समर्थन में पुलिस ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका क्रमांक 116/2009 में 4 जनवरी, 2013 को दिए गए फैसले और महाराष्ट्र सरकार के 20 जनवरी, 2016 के

आदेश का हवाला दिया है। पुलिस ने आवेदनकर्ता को मुंबई शहर में रैली या विरोध प्रदर्शन के लिए किसी अन्य उपयुक्त स्थल का चयन कर वहां अनुमति के लिए आवेदन करने की सलाह दी है। साथ ही स्पष्ट किया है कि वैकल्पिक स्थल के लिए प्राप्त आवेदन पर नियमों के अनुसार विचार किया जाएगा।

मुंबई के 26 वॉर्डों में नोडल अधिकारी होंगे तैनात

पेड़ों की सुरक्षा पर भी जोर

मुंबई, यशभारत। मुंबई में सड़क निर्माण, वर्षा जल निकासी, उद्यान और उपयोगिता सेवाओं से जुड़े विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के लिए महानगरपालिका के सभी 26 वॉर्डों में एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। यह प्रक्रिया अंतिम चरण में है और संबंधित वॉर्ड के किसी अभियंता को यह जिम्मेदारी सौंपे जाने की संभावना है। यह फैसला 30 जून को चेंबर में स्कुल बस पर पीपल का पेड़ गिरने से 11 वर्षीय विहान श्रीवास्तव की मौत के बाद उठाए गए कदमों का हिस्सा है। दुर्घटना के बाद गठित समिति ने निर्माण और सड़क परियोजनाओं में पेड़ों की सुरक्षा को अनिवार्य हिस्सा बनाने की सिफारिश की थी। नई मानक कार्यप्रणाली अक्टूबर से लागू होने की संभावना है। सड़क के कंक्र्रीटीकरण के दौरान पेड़ों के तनों को आसपास तीन मीटर गुण तीन मीटर क्षेत्र खुला रखने, ताकि जड़ों तक हवा और पानी पहुंच सके का प्रावधान किया जाएगा। पेड़ों की छंटाई में विशेषज्ञों की मदद लेने तथा मानसून से पहले और बाद में पेड़ों की जोखिम जांच कराने पर भी जोर दिया जाएगा।

निर्माण कार्यों के दौरान पेड़ों की जड़ों को वैज्ञानिक तरीके से सुरक्षित रखने और बड़े पैमाने पर नुकसान की आशंका होने पर पेड़ों के पुनर्गोपण का भी प्रावधान प्रस्तावित है।

‘पानी दो, नहीं तो पूरा गांव खरीद लो!’

सिंचाई सुविधा नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने लगाया पोस्टर, 25 साल से नहर के पानी का इंतजार

सोलापुर, यशभारत। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के तुलसी गांव में जलसंकट से परेशान ग्रामीणों ने अनोखे तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया है। गांव में लगाया गया पोस्टर इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है, जिस पर लिखा है- ‘हम बेच रहे हैं पूरा गांव।’ ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से सिंचाई के पानी की मांग की जा रही है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। गांव के सरपंच शरद मोरे ने कहा कि जुलाई से गांव में टैंकर के जरिए पानी पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो कोई



गांव खरीदना चाहता है, वह आगे आए। ग्रामीणों के अनुसार, यह पोस्टर मजाक नहीं, बल्कि लंबे समय से जारी उपेक्षा के खिलाफ उनका गुस्सा है। तुलसी गांव सीना-माढ़ा लिफ्ट सिंचाई योजना से महज नौ किलोमीटर दूर है। वर्ष 2000

में शुरू हुई इस योजना का लाभ गांव को अब तक नहीं मिल सका है। बारिश पर निर्भर ग्रामीणों के सामने इस वर्ष भीषण जलसंकट खड़ा हो गया है। माढ़ा के कई गांवों में पिछले 45 दिनों से बारिश नहीं हुई है। जलाशय, कुएं और परकोलेशन

तालाब सूख चुके हैं। जलसंकट से परेशान ग्रामीणों ने गोशे चतुर्थी पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की थी। तहसीलदार और जापान देकर आत्मदाह और चुनाव बहिष्कार की चेतावनी भी दी गई थी। जल संसाधन मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील से बातचीत के बाद आंदोलन वापस लिया गया। कलेक्टर एस. कार्तिकेयन ने बताया कि तुलसी का जलवैज्ञानिक सर्वेक्षण किया गया है और इसके आधार पर गांव को नहर नेटवर्क से जोड़ने का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा जाएगा।

संपादकीय

विराट की विराट उपलब्धि और निरंतरता का सबक

विराट कोहली का वनडे क्रिकेट में 15 हजार रन का आंकड़ा पार करना केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह उस निरंतरता, अनुशासन और प्रतिस्पर्धी जज्बे का प्रमाण है, जिसने उन्हें आधुनिक क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली बल्लेबाजों की कतार में खड़ा किया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक के दौरान 59 रन पूरे करते ही कोहली ने यह मुकाम हासिल किया और वनडे इतिहास में सचिन तेंदुलकर के बाद 15 हजार रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। इस उपलब्धि की सबसे खास बात इसकी गति है। कोहली ने 303वीं पारी में 15 हजार वनडे रन पूरे किए, जबकि सचिन तेंदुलकर को इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए 377 पारियां खेलनी पड़ी थीं। आंकड़ों की यह तुलना अपने आप में बताती है कि कोहली ने किस असाधारण गति से रन बनाए हैं।



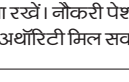
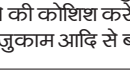
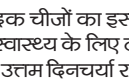
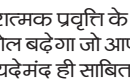
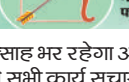
रिकॉर्ड से आगे कोहली की असली कहानी

पहुंचाया, उसी तरह कोहली ने बाद के दौर में बल्लेबाजी की अपेक्षाओं को एक अलग स्तर पर पहुंचाया। कोहली की बल्लेबाजी की सबसे बड़ी ताकत उनकी निरंतरता रही है। वह केवल बड़ी पारियां खेलने वाले बल्लेबाज नहीं रहे, बल्कि लंबे समय तक उच्च स्तर का प्रदर्शन करने में सफल रहे हैं। 13 हजार वनडे रन भी उन्होंने सबसे कम 267 पारियों में पूरे किए थे। अब 15 हजार के आंकड़े पर भी सबसे तेज पहुंचकर उन्होंने साबित किया है कि समय के साथ उनका प्रदर्शन केवल संयोग नहीं, बल्कि निरंतर मेहनत और तैयारी का परिणाम रहा है।

क्रिकेट में रिकॉर्ड बनते और टूटते रहते हैं, लेकिन किसी खिलाड़ी की महानता केवल रिकॉर्डों की संख्या से तय नहीं होती। असली कसौटी यह होती है कि वह कितने लंबे समय तक टीम की जरूरत के मुताबिक प्रदर्शन करता है और दबाव की परिस्थितियों में कितना प्रभाव छोड़ता है। कोहली का वनडे करियर इस कसौटी पर भी उल्लेखनीय रहा है। उनका शतक और 15 हजार रन का आंकड़ा इसी लंबी यात्रा की एक और महत्वपूर्ण कड़ी है। अब स्वाभाविक रूप से चर्चा सचिन तेंदुलकर के 18,426 वनडे रनों के रिकॉर्ड की हो रही है। कोहली उस आंकड़े के कितने करीब पहुंचते हैं, यह भविष्य बताएगा। लेकिन फिलहाल इस उपलब्धि का महत्व इस बात में है कि भारतीय क्रिकेट को एक ऐसा बल्लेबाज मिला है, जिसने अपने प्रदर्शन से कई पीढ़ियों के खिलाड़ियों और प्रशंसकों को प्रभावित किया है। विराट कोहली की यह उपलब्धि युवा खिलाड़ियों के लिए भी एक संदेश है। प्रतिभा शुरुआत दिला सकती है, लेकिन लंबे समय तक शीर्ष पर बने रहने के लिए फिटनेस, अनुशासन, मानसिक मजबूती और निरंतर सुधार जरूरी है। 15 हजार वनडे रन का पड़ाव इसी यात्रा की कहानी कहता है। रिकॉर्ड के पीछे छिपी मेहनत को समझना ही इस उपलब्धि का सबसे बड़ा अर्थ है।

कड़वे वचन

दूध उबल रहा है तो उसे शांत करने के दो ही तरीके हैं या तो उस पर ठंडा पानी डाल दो या फिर गैस बंद कर दो । ठीक इसी तरह सामने वाला अगर क्रोध में उबल रहा है तो उसे शांत करने के दो ही तरीके हैं या तो आप चुप हो जाइये या फिर वहां से हट जाइये । जहां दूसरों को समझाना मुश्किल हो जाए वहां खुद को समझा लेना ही बेहतर है । चुप्पी कई सवालों का जवाब हुआ करती है । कुछ सवालों का जवाब चुप्पी से देना सीखो ।

 आज का राशिफल	
पंचांग:- 29 सितंबर 2026	
दिन-मंगलवार, माह- भाद्र शुक्ल पक्ष	
विक्रम संवत् 2083	
मेष  धार्मिक स्थल पर समय व्यतीत करने से सुखित मिलेगा। कोई भूमि संबंधी खरीद-फरोख्त का कार्य हो सकता है।	वृष  घर में किसी संबंधी के आगमन से आपके महत्वपूर्ण कार्य रुक सकते हैं। धैर्य से कार्य करें
मिथुन  रुपय-पैसे संबंधी लेनदेन को लेकर किसी से वाद-विवाद होने की आशंका है	कर्क  व्यवसाय में किसी नए कार्य की शुरुआत हो सकती है दिन खुशनुमा होगा
सिंह  साझेदारी संबंधी व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। नौकरी पेशा लोगों को कोई अधीरटी मिल सकती है।	कन्या  घर के वातावरण को सुखी बनाए रखने की कोशिश करें खांसी, जुकाम आदि से बचे
तुला  आधुनिक चीजों का इस्तेमाल करें। स्वास्थ्य के लिए ठीक रहेगा उलम दिनचर्या रखें।	वृश्चिक  सकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों से मेलजोल बढ़ाए जो आपके लिए फायदेमंद ही साबित होंगे।
धनु  दिन उत्साह भर रहेगा आपकी योजना से सभी कार्य सुचारु रूप से होते जाएंगे	मकर  अपनी महत्वपूर्ण बात सार्वजनिक न करें। अजनबियों से सावधान रहे
कुंभ  बातचीत करते समय अहद भाषा का प्रयोग न करें। इससे संबंध खराब हो सकते हैं।	मीन  व्यवसायिक गतिविधियां मध्यम रहेंगी। ये समय धैर्य और शांति से व्यतीत करने का है।

विचार प्रवाह

दिल का मामला है, हर धड़कन कुछ कहती है..!

(विश्व हृदय दिवस पर विशेष)

आज विश्व हृदय दिवस है। पिछले एक दशक में, स्वस्थ हृदय के महत्व को समझने वालों की संख्या में वृद्धि जरूर हुई है लेकिन साथ ही दुखद पहलू यह भी है कि हृदय संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों की संख्या में भी तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। दरअसल, गतिहीन जीवनशैली, खराब खान-पान और बढ़ता तनाव लोगों की आम दिनचर्या को प्रभावित कर रहा है। इसी के चलते हृदय रोग दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। लेकिन यह भी सही है कि जागरूकता, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली के जरिए हृदय संबंधी बहुतेरी समस्याओं को रोका जा सकता है या बेहतर जीवनशैली से प्रबंधित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य संबंधी इन्हीं सब कारणों से विश्व हृदय दिवस की परिकल्पना को साकार कर एक दिन विशेष इसे पूरे विश्व में मनाने के निश्चय किया गया ताकि लोगों को इस रोग की बारीकी और शुरुआती लक्षणों को पहचानने में मदद मिल सके। कम से कम इतनी जागरूकता तो आए कि लोग जरूरत पड़ने पर प्राथमिक उपचार और त्वरित स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने की दिशा में जागरूक हो सकें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व में सबसे ज्यादा मौतें हृदय रोग से होती हैं। हर साल लगभग एक करोड़ अस्सी लाख लोग इसकी वजह से अपनी जान गंवा देते हैं विश्व हृदय दिवस की शुरुआत वर्ष 2000 में विश्व हृदय महासंघ द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से की गई। इसका उद्देश्य हृदय रोगों और उनकी रोकथाम के लिए आवश्यक उपायों के बारे में वैश्विक जागरूकता पैदा करना था। यह दिन हर साल 29 सितंबर को मनाया जाता है, जो दुनिया भर के व्यक्तियों, स्वास्थ्य संगठनों और समुदायों को हृदय स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने और निवारक उपायों को प्रोत्साहित करने के लिए एक साथ लाता है।

संवादों की मोहताज नहीं कला :तकनीकी शोर के बीच मूक सिनेमा का कालजयी दर्शन

(29 सितंबर विश्व मूक सिनेमा दिवस)

आज का सिनेमा आधुनिक तकनीक, डॉल्बी साउंड और भारी-भरकम विजुअल इफेक्ट्स के शोर से भरा हुआ है। ऐसे दौर में क्या हम उस सिनेमा की कल्पना कर सकते हैं, जहाँ न संवाद थे, न बैकग्राउंड स्कोर और न ही बोलते चिह्नते हुए किरदार?

आज 29 सितंबर को विश्व मूक फिल्म दिवस है। यह दिन सिनेमा के इतिहास को याद करने का नहीं, बल्कि अभिनय की उस शुद्धतम कला को समझने का मौका है, जहाँ संवादों की अभिव्यक्ति के बिना सिर्फ आंखों और चेहरों से कहानियां पढ़ें पर उतरती थीं। सिनेमा का एक बुनियादी सच यह है कि मेथड ऐक्टिंग के लिए आवाज की जरूरत कभी नहीं रही। संवाद केवल कहानी आगे बढ़ाने का जरिया हैं, लेकिन असल अभिनय सीधे दर्शक की आत्मा को छूता है। इसका सबसे बड़ा और कालजयी उदाहरण जूलजार्ज की फिल्म कोशिश है। इस फिल्म में संजीव कुमार और जया बच्चन ने एक मूक-बंधर कप्तान की भूमिका निभाई थी। पूरी फिल्म में दोनों ने अपनी जुबां से एक शब्द भी नहीं बोला, लेकिन अपनी आंखों के उहाराव, हाथों के कोमल इशारों और चेहरे की मर्मस्पर्शी खामोशी से दर्शकों को भीतर तक रला दिया। वह फिल्म इस बात की तस्दीक करती है कि जब भावनाएं गहरी होती हैं, तो शब्दों की जरूरत खुद-ब-खुद खत्म हो जाती है।

यदि हम सिनेमा का अध्ययन करें, तो पाएंगे कि सबसे बड़े अभिनेता वही हुए हैं जिनकी खामोशी और भाव-भंगिमाएं उनके संवादों से ज्यादा गुंजती थीं। ट्रेजडी किंग दिलीप कुमार इसका साक्षात् उदाहरण थे। उनके

बोले गए डायलॉग्स जितने मशहूर हैं, उससे कहीं ज्यादा प्रभावशाली उनके चेहरे का वो खालीपन और उदासी थी जो कैमरे के क्लोज-अप में नजर आती थी। यही बात इरफान खान पर भी लागू होती है। इरफान स्क्रीन पर बिना कुछ बोले सिर्फ अपनी गहरी, रहस्यमयी आंखों और चेहरे के धीमे से बदलते हाव-भाव से पूरे दृश्य का मिजाज बदल देने का हुनर जानते थे। नसीरुद्दीन शाह और ओम पुरी ने भी स्थापित किया कि गुस्सा या बेबसी शब्दों में नहीं, बल्कि चेहरे की तनी हुई मांसपेशियों और तेज, स्थिर नजरों में दिखाई देती है। आज के दौर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी का स्क्रीन प्रेजेंस भी इसी शारीरिक अभिनय और बाँड़ी लैंग्वेज की ताकत को बयां करता है।

यही जादू चालीं चैपलिन ने बिखेरा था। उन्होंने अपनी मूक कामेडी और चेहरे की अनूठी भाव-भंगिमाओं से

तर्पण से पितरों को उनका अंश कैसे प्राप्त होता है अर्थात

श्राद्ध में अर्पित सामग्री पितरों को कैसे मिलती है?

श्रद्धया दीयते यत् तत् श्राद्धम्

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा से जो कुछ दिया जाए। पितरों के लिए श्रद्धापूर्वक किए गए दान का नाम ही श्राद्ध है। श्राद्ध कर्म पितृव्रण चुकाने का सरल व सहज माग है। पितृपक्ष में श्राद्ध करने से पितराण वर्षभर प्रसन्न रहते हैं। श्राद्ध कर्म से व्यक्ति केवल अपने सगे-सम्बन्धियों को ही नहीं, बल्कि ब्रह्मा से लेकर तृणपर्यन्त सभी प्राणियों व जगत को तुस करता है।

पितरों की पूजा को साक्षात् विष्णुपूजा ही माना गया है। श्राद्ध को वस्तुएं पितरों को कैसे मिलती है ? प्रायः कुछ लोग यह शंका करते हैं कि श्राद्ध में समर्पित की गई वस्तुएं पितरों को कैसे मिलती है? कर्मों की भिन्नता के कारण मरने के बाद गतियां भी भिन्न-भिन्न होती हैं- कोई देवता, कोई पितर, कोई प्रेत, कोई हथी, कोई चींटी, कोई वृक्ष और कोई तृण बन जाता है। तब मन में यह शंका होती है कि छोटे से पिण्ड से अलग-अलग योनियों में पितरों को तृप्ति कैसे मिलती है? इस शंका का स्कन्दपुराण में बहुत सुन्दर समाधान मिलता है। एक बार राजा करन्धम ने महायोगी महाकाल से पूछ्छ चम्पन्यों द्वारा पितरों के लिए जो तर्पण या पिण्डदान किया जाता है तो वह जल, पिण्ड आदि तो यहीं रह जाता है फिर पितरों के पास वे वस्तुतु कैसे पहुंचती हैं और कैसे पितरों को तृप्ति होती है? भगवान महाकाल ने बताया कि विश्व

नियन्ता ने ऐसी व्यवस्था कर रखी है कि श्राद्ध की सामग्री उनके अनुरूप होकर पितरों के पास पहुंचती है। इस व्यवस्था के अधिपति हैं अग्निध्यात आदि। प्रकृति के देवता, पितरों और देव लोकों में पुण्य फल भोग रही जीवात्मायें (सामान्य देवता) की योनि ऐसी है कि वे दूर से कही हुई बातें सुन लेते हैं, दूर की पूजा ग्रहण कर लेते हैं और दूर से कही गयी स्तुतियों से ही प्रसन्न हो जाते हैं। जीवात्मा अविनाशी है। आत्मा चेतन है, उसी से चेतना पाकर ज्जीवात्माएं ही स्थूल शरीर के माध्यम से कर्म करता है और उसके ही माध्यम से कर्म फलों का भोग भी करता है। इस प्रकार ज्जीवात्माएं कर्ता भी है और भोक्ता भी। आत्मा केवल दृष्ट है, इसी से जीव चेतना पाकर सुख दुख भोगता है, कर्म करता है। मृत्यु के बाद कर्म अनुसार जीवात्मा कोई भी स्थूल शरीर पाकर चाहे देव, पितर, मानव, जानवर, कोट वृक्ष, प्रेत आदि कोई योनि पाये, कहीं भी हो, उसकी जीवात्मा वही रहती है तथा किसी दूसरी जीवात्मा द्वारा किये गये जप, तप, दान, तर्पण को ग्रहण करती है। श्रीमद्भगवत के अध्याय 9 के श्लोक 23 व 25 में भगवान श्रीकृष्ण ने बताया है कि जो भी भक्त श्रद्धापूर्वक अन्य देवताओं का पूजन करते हैं, वे भी मेरा ही पूजन करते हैं। और सकाम भाव से देवताओं और पितरों को किया पूजन का लाभ उन्हें मिलता है। हम जानते हैं कि जीवधारियों के

सूक्ष्म शरीर में पांच तन्मात्राएं, मन, बुद्धि, अहंकार और प्रकृति- इन नी तत्व होते हैं और इसके भीतर दसवें तत्व के रूप में साक्षात् भगवान पुरुषोत्तम उसमें आत्मा के रूप में, निवास करते हैं। इसलिए प्रकृति के देवता, जो आकाश व अग्नि तत्व के होते हैं, शब्दतत्व में रहते हैं और स्पर्शतत्व को ग्रहण करते हैं। देवलोक के देवताओं व पितरों के शरीर में वायु तत्व भी होता है, अतः से गन्ध व रसतत्व से तुप्त होते हैं। पवित्रता से भी ये प्रसन्न होते हैं और वर देते हैं। जैसे मनुष्यों का आहार अन्न है, पशुओं का आहार तृण है, वैसे ही पितरों का आहार अन्न का सार-तत्व (गंध का अन्न रस) है। अतः वे अन्न व जल का सारतत्व ही ग्रहण करते हैं। शेष जो स्थूल वस्तु है, वह यहीं रह जाती है। शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि नाम व गोत्र के उच्चारण के साथ जो अन्न-जल, द्रव्य आदि पितरों को दिया जाता है, विश्वेदेव एवं अग्निध्यात (दिव्य पितर) हव्य-कव्य को पितरों तक पहुंचा देते हैं। यदि पितर देवयोनि को प्राप्त हुए हैं तो वहॉ दिया गया अन्न उन्हें अमृत होकर प्राप्त होता है। यदि गन्धर्व बन गए हैं तो वह अन्न उन्हें भोगों के रूप में प्राप्त होता है। शेष में स्थूल रूप धारण कर, यदि पशुयोनि में हैं तो वह अन्न तृण के रूप में प्राप्त होता है। नागयोनि में वायुरूप से, हथयोनि में पानरूप से, राक्षसयोनि में आमिषरूप में, दानवयोनि में मांसरूप में, प्रेतायोनि में रुधिररूप में और मनुष्य बन जाने पर भोगने योग्य तृप्तिकारक

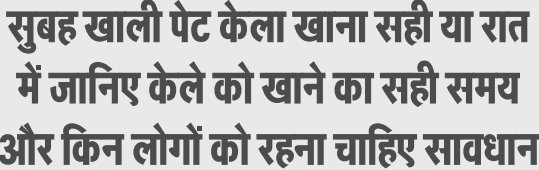
पदार्थों के रूप में प्राप्त होता है। जिस प्रकार बछड़ा झुण्ड में अपनी मां को ढूंढ ही लेता है, उसी प्रकार नाम, गोत्र, हृदय की भक्ति एवं देश-काल आदि के सहारे दिए गए पदार्थों को मन्त्र पितरों के पास पहुंचा देते हैं। जीव चाहें सैकड़ों योनियों को भी पार क्यों न कर गया हो, तर्पण की गई वस्तु व भाव उसके पास पहुंच ही जाते हैं। हमें अपने स्वर्गवासी सम्बन्धियों से निम्न प्रार्थना करनी चाहिए। यह केवल क्रिया नहीं है, इसके पीछे भाव है। (1) शुद्ध संकल्पों से पूर्वजों को याद कर जप, तप, दान, पुन्य कर्म आदि कर उसका फल श्रद्धांजलि के रूप में उन्हें अर्पित करना चाहिए, जिससे इसके कंपन स्पंदन थरथराहट (वायब्रेशन) उन तक पहुंच जाए और उनकी आत्मा का उन्नयन होना। (2) उनके गुणों को याद कर प्रेरणा लेनी चाहिए। (3) पितरों से प्रार्थना करनी चाहिये कि जाने-अनजाने में गलती से हमने आप के दिल को दुखाया है, उसके लिए हम सच्चे दिल से प्रार्थक्षित करते हैं। (4) हम आप जैसे गुणों को अपने अंदर लाने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं। अतः हमें पूरे श्रद्धा के साथ श्राद्ध कर अपने पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त कर और उनके आशीर्वाद रूपी आशीष से अपने और अपने पूरे परिवार के जीवन में सुख, शांति व समृद्धि लाना चाहिए। - श्रीमती प्रीति सिंह चौहान नर्मदापुरम (म.प्र.)

की अद्भुत क्षमता के लिए जानी जाती हैं।आज का सिनेमा भले ही 4थ और 3थ तकनीक से लैस हो चुका हो, लेकिन इस तकनीकी शोर में कहीं न कहीं वह जादूई सिनेमा की कला कुछ मद्धम हुई है। मूक फिल्म दिवस हमें याद दिलाता है कि दादासाहेब फालके ने जब 1913 में राजा हरिश्चंद्र बनाई थी, तो वह कला का सबसे शुद्ध रूप था। आज के कलाकारों को यह समझने की जरूरत है कि सिनेमा बुनियादी तौर पर एक दृश्य माध्यम है। जब तक कैमरे के सामने बैठा कलाकार अपनी खामोशी और एक्सप्रेसशन्स से दर्शक को बांधने का हुनर नहीं सीखता, तब तक भारी-भरकम संवाद भी बेअसर साबित होते हैं क्योंकि भाव ही सिनेमा की असल पहचान है।

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक) (लेखक स्तंभकार हैं)

मन की बात ने रेडियो को फिर बनाया जनसंवाद का सशक्त माध्यम गांवों की चौपाल से देश के विकास तक पहुंचती प्रधानमंत्री की आवाज

डिजिटल युग में जब समाचार और विचारों के लिए मोबाइल फोन तथा इंटरनेट सबसे तेज माध्यम बन चुके हैं, तब रेडियो पर प्रसारित होने वाला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ‘मन की बात’ कार्यक्रम अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। महीने के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम का इंतजार देश के अनेक हिस्सों में लोग पहले से करते हैं। कहीं परिवार साथ बैठकर इसे सुनता है तो कहीं गांव की चौपाल, पंचायत भवन या सार्वजनिक स्थान पर लोग रेडियो अथवा टेलीविजन के माध्यम से सामूहिक रूप से कार्यक्रम सुनते हैं। यही सामूहिक श्रवण ‘मन की बात’ को केवल प्रधानमंत्री का संबोधन नहीं रहने देता, बल्कि इसे समाज और देश के बीच संवाद का माध्यम बनाता है।‘मन की बात’ की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें केवल सरकार की योजनाओं या उपलब्धियों की चर्चा नहीं होती, बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों में सामान्य नागरिकों द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों को भी सामने लाया जाता है। प्रधानमंत्री अक्सर ऐसे लोगों का उल्लेख करते हैं जिन्होंने अपने छोटे से प्रयास को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाया। किसी ने पर्यावरण संरक्षण का बीड़ा उठाया, किसी ने स्थानीय कला और परंपरा को बचाने का प्रयास किया, किसी ने स्वच्छता को अभियान बनाया तो किसी ने युवाओं को सामाजिक कार्यों से जोड़ने की पहल की। इस तरह कार्यक्रम में देश के उन लोगों को राष्ट्रीय मंच मिलता है, जिनका काम सामान्य परिस्थितियों में स्थानीय सीमा से आगे नहीं पहुंच पाता।27 सितंबर 2026 को प्रसारित 138वें एपिसोड में भी राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर जनगणना, स्वच्छता, नशामुक्ति, सांस्कृतिक परंपराओं और वन्यजीव संरक्षण जैसे विभिन्न विषयों को जोड़ा गया। प्रधानमंत्री ने सर्जिकल स्ट्राइक की दसवीं वर्षगांठ का उल्लेख करते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का जिक्र किया। साथ ही 2008 के दिल्ली सीपीएल ब्लास्ट, मुंबई के 26/11 हमले और अमेरिका में 11 सितंबर के आतंकी हमले को याद करते हुए पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इससे कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक जिम्मेदारी दोनों पहलू सामने आए।जनगणना को लेकर भी प्रधानमंत्री ने नागरिकों से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। वर्ष 2027 की जनगणना के लिए डिजिटल व्यवस्था और स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। केंद्र सरकार के अनुसार जनगणना दो चरणों में होगी और इसके लिए बड़ी संख्या में मैदानी कर्मचारी लगाए जा रहे हैं। ऐसे में नागरिकों की भागीदारी को राष्ट्रीय दायित्व के रूप में सामने रखना कार्यक्रम का महत्वपूर्ण संदेश रहा।स्वच्छता का विषय भी ‘मन की बात’ में लगातार सामाजिक अभियान के रूप में सामने आता रहा है। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छता के महत्व को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर सामने आ रहे स्वच्छता संबंधी प्रयासों का उल्लेख किया। इसका महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि स्वच्छता केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है। सड़क, मोहल्ले, विद्यालय, बाजार और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में नागरिकों की भागीदारी ही किसी अभियान को स्थायी रूप दे सकती है। (लेखक - कांतिलाल मांडोट)



केले में कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, पोटैशियम और विटामिन B जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। अमेरिकी नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ के अनुसार, एक केले में कुल 422 मिलीग्राम पोटैशियम और 0.7 मिलीग्राम विटामिन B होता है। पोटैशियम शरीर में नसों और मांसपेशियों के सामान्य कामकाज के साथ तत्त्व पदार्थों का संतुलन बनाए रखने में भूमिका निभाता है। वहीं, विटामिन B6 शरीर में प्रोटीन के इस्तेमाल समेत कई जरूरी प्रक्रियाओं में मदद करता है। केले में मौजूद कार्बोहाइड्रेट इसे जल्दी ऊर्जा देने वाला आसान स्नैक बनाता है। यही वजह है कि जिम जाने वाले लोग और हिलाड़ी इसे वर्कआउट से पहले या बाद में खाना पसंद करते हैं। हालांकि, सिर्फ कलक खाने से शरीर की सभी पोषण संबंधी जरूरतें पूरी नहीं होतीं। इसे संतुलित डाइट का हिस्सा मानना बेहतर है।

आगर सुबह खाली पेट केला खाने से आपको किसी तरह की परेशानी नहीं होती, तो इसे नाश्ते में शामिल किया जा सकता है। लेकिन कुछ लोगों को खाली पेट फल खाने के बाद पेट फूलने या भारीपन की शिकायत हो सकती है। ऐसे लोग केले को ओट्स, ब्रेड, दही या किसी दूसरे भोजन के साथ ले सकते हैं। केला और दूध भी एक आम कॉम्बिनेशन है। केले से कार्बोहाइड्रेट मिलते हैं, जबकि दूध प्रोटीन और दूसरे पोषक तत्व देता है। अगर किसी व्यक्ति को दूध आसानी से पचता है, तो केला-दूध का शेक या स्मूदी सामान्य डाइट का हिस्सा हो सकता है। वहीं, लैक्टोज की पचाने में परेशानी वाले लोगों को दूध से गैस या पेट फूलने जैसी समस्या हो सकती है। इसे केवल केले से जोड़ना सही नहीं होगा।

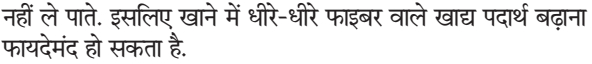
रात में केला खाना अपने आप में नुकसानदायक नहीं माना जाता। अगर इसे खाने के बाद आपको पेट भारी या असहज महसूस नहीं होता, तो रात में भी खा सकते हैं। लेकिन अगर रात में केला खाने के बाद पाचन संबंधी परेशानी होती है, तो इसे दिन के किसी दूसरे समय लेना बेहतर हो सकता है।

नई दिल्ली, एंजेंसी। सनग्लास पर पसीना, धूल और उम्लियाँ के निशान जमा होने से लेंस धुलखा दिखाई दे सकता है। धूल लगे लेंस को शुद्ध, रम्याल या टिशयू से जोर लगाकर राउन्ड से बचना चाहिए। लेंस को पहले साफ पानी से धोकर फिर बोर्बिक कोक हटाना बेहतर तरीका है। जरूरत होने पर बहुत थोड़ा माइल्ड लिक्विड साबुन रूमतेमाल किया जा सकता है। सफाई के बाद साफ माइक्रोफाइबर कपड़े से लेंस को हल्के हाथ से सुखाएं। बेकिंग सोडा, टूथपेस्ट और कार वैक्स जैसे घरेलू चीजों को कोटेड लेंस को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

लंस घोन के बाद उस साफ और सुखे माइक्रोफाइबर कपड़े से हल्के साफ से पोछें। माइक्रोफाइबर कपड़ा लेंस की हाथस के लिए इस्तिफा अच्छा विकल्प है क्योंकि यह सामान्य कपड़े के मुकाबले ज्यादा मुलायम होता है और सतह से गीली तथा निशान हटाने में मदद करता है, लेकिन माइक्रोफाइबर कपड़ा भी साफ होना चाहिए। लंबे समय से बेग या जेब में पड़े कपड़े पर धूल और सतह जमा हो सकता है, ऐसे कपड़े से लेंस साफ करने पर दोबारा निशान आ सकता है। इसलिए लेंस साफ करने वाले कपड़े को भी समय-समय पर धोकर साफ रखना जरूरी है।

नई दिल्ली, एनएसओ। सेहतमंद रहने के लिए डाइटरी फाइबर जरूरी है, जो फलों, सब्जियों, दालों और साबुत अनाज में मिलता है। रोज 25-38 ग्राम फाइबर लेना चाहिए। यह पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है और पेट को भरा रखता है। सेहतमंद रहने के लिए सिर्फ पेट भरना काफी नहीं है, बल्कि खाने में सही पोषक तत्वों का होना भी जरूरी है। ऐसी ही एक जरूरी चीज है डाइटरी फाइबर, जो पौधों से मिलने वाले खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। फल, सब्जियां, दालें, फलियां, नट्स और साबुत अनाज फाइबर के अच्छे स्रोत माने जाते हैं। फाइबर वाली चीजें डाइट का हिस्सा बनाने से पाचन तंत्र को बेहतर तरीके से काम करने में मदद मिल सकती है और पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस हो सकता है।

रोज कितनी मात्रा में फाइबर लेना चाहिए, यह उम्र और लिंग जैसी चीजों पर निर्भर करता है। आम तौर पर हमें करीब 25 से 38 ग्राम प्रतिदिन की जरूरत बताई जाती है। हालांकि, बहुत से लोग अपनी डाइट में पर्याप्त फाइबर



नई दिल्ली, एनडीए। अगर आपके घर में एलपीजी सिलेंडर का इस्तेमाल करके खाना बनाया जाता है, तो आपके लिए जरूरी खबर है। दिल्ली, मुंबई समेत अन्य शहरों में भी सिलेंडर की कीमतें अलग-अलग हैं। 1 अक्टूबर को तेल कंपनियां LPG के दाम की समीक्षा करेंगी। साथ ही, सब्सिडी का फायदा लेने वाले ग्राहकों के लिए आधार बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन और KYC पूरा करना जरूरी है। इसलिए सिलेंडर बुक करने से पहले अपने शहर का नया रेट और KYC की स्थिति जरूर देख लें।

अगर आपके घर में LPG सिलेंडर खत्म होने वाला है और आप सोच रहे हैं कि अक्टूबर की शुरुआत में इसकी कीमत बढ़ेगी या घटेगी, तो फिलहाल राहत की खबर है। 28 सितंबर को घरेलू और कमर्शियल LPG सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता समेत कई शहरों में सिलेंडर अभी पुराने रेट पर ही मिलत रहें हैं। हालांकि, 1 अक्टूबर को तेल कंपनियां कीमतों की समीक्षा करेंगी, ऐसे में नए रेट पर



LPG ग्राहकों के लिए सिर्फ सिलेंडर की कीमत ही नहीं, चङ्चल से जुड़ी जानकारी भी जरूरी है. अगर आप सब्सिडी का फायदा लेते हैं, तो आधार से

जुड़ी बायोमेट्रिक प्रोसेस पूरा होना जरूरी है। ऐसे में अगली बार सिलेंडर बुक करने से पहले अपने शहर का ताजा रेट और अपनी चङ्घुष्ट स्थिति जरूर जांच लें।

नई दिल्ली, एजेसी। 300 पहियों वाले लेट वेसेल्स ने बलरामपुर चीनी मिल का नाम पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में रखा है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि देश की दूसरी सबसे बड़ी इस मिल का मालिक कौन है- उन्होंने कब इसे शुरू किया था और कैसे 14 हजार करोड़ का विशाल कारोबार खड़ा कर दिया.

एक बात की चर्चा इन दिनों मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म दोनों जाहद पर खूब हो रही है. बेलियम से 300 पहियों पर लदकर भारत आया वेसेल्स, जिसे यूपी के बलरामपुर जिले में स्थित चीनी मिल के लिए मंगाया गया है. यह चीनी मिल 51 साल पहले एक छोटी सी यूनिट के रूप में शुरू हुई थी और आज इसका कारोबार करीब 14 हजार करोड़ रुपये का पहुँच गया है. बलरामपुर चीनी मिल

को देश की दूसरी सबसे बड़ी मिल के रूप में जाना जाता है. लेकिन, क्या आप जानते हैं कि इस मिल को इतनी ऊंचाई तक पहुंचाने में सबसे बड़ा भूमिका एक महिला की रही है. शेररामपुर चीनी मिल लिमिटेड के बलयार बाजार में लिस्टेड कंपनी है. इस मिल की शुरुआत साल 14 जुलाई, 1975 को हुई थी. मिल को शुरू करने और बढ़ाने में केएस सारोगी की बड़ी भूमिका रही है. केएस सारोगी कंपनी के मौजूदा चेयरमैन और एनडी विवेक सारोगी के पिता थे. अभी कंपनी की कामना विवेक के हाथ में है और उनकी पत्नी सुमेधा सारोगी भी कंपनी में हिस्सेदारी रखती हैं. विवेक की बेटी अर्चिता सारोगी कंपनी की एजीक्यूटिव डायरेक्टिव हैं. सारोगी के फैमिली ट्रस्ट का प्रमोसर्स के रूप में इस कंपनी में बड़ी हिस्सेदारी है.

बलरामपुर चीनी मिल को ऊंचाईयों तक ले जाने का काम विवेक सासोगी की माँ मीनाक्षी सासोगी ने किया। उन्होंने गन्ने की खरीद, किसानों को भुगतान और उत्पादन के साथ सप्लाई पर कंट्रोल किया और कंपनी लगातार कारोबार बढ़ाती गई। उनकी देखरेख में कंपनी 1 घण्टे से बढ़कर 10 घण्टे तक पहुँच गई और आज यह चीनी के साथ, एथनॉल और बिजली तक बनाती है। इस मिल ने आसपास के कई जिलों के हजारों किसानों को गन्ने की खेती के प्रेरित किया है।

ई दिल्ली, एंजेसी। सरकारी बैंकों के कर्मचारियों ने तीन दिन का बँक हड़ताल आरंभ है। बैंकिंग एसोसिएशन और बैंक कर्मचारियों संगठनों के बीच 27 सितंबर को सगठनों के बाद हड़ताल आलने पर सहमति बनी है। आईबीपी ने 2 दिन और अवकाश बढ़ाने पर विचार करने का आश्वासन दिया है। सरकारी बैंकों के कर्मचारी संगठनों ने 28 सितंबर से होने वाली तीन दिन की हड़ताल को टाल दिया है। यह फैसला 27 सितंबर की रात 9.30 बजे बैंक कर्मचारी संगठनों और इंडियन बैंकिंग एसोसिएशन के बीच माता बाजीचत के बाद लिया गया। माना जा रहा है कि इस बैठक में हर महीने 2 और शनिवार को



अवकाश घोषित करने पर कुछ सस्मति बनी है. आईबीए ने इस पर विचार करने के लिए एक समिति बनाने का आश्वासन दिया है. इससे पहले सप्ताह में 5 दिन काम को लेकर देश के सभी सरकारी बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में हड़ताल का ऐलान किया गया था. इंडियन बैंकिंग एसोसिएशन यानी आईबीए और यूनाइटेड फेडरेशन ऑफ बैंक

यूनियन के बीच 27 सितंबर को रात काफी देर तक मंथन चला और आखिर में 28 सितंबर से प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल को स्थगित करने का फैसला किया गया. आईबीए ने कहा है कि वह महोने में 2 अतिरिक्त शनिवार को भी अवकाश घोषित करने की डिमांड पर विचार करने के लिए जल्द ही हाई लेवल कमिटी बनाएंगे.

बैंक कर्मचारियों को मिल सकती है सौगात

अभी बैंकों में हेर महीने 4 रविवार के साथ 2 शनिवार भी अवकाश मिलत है, लेकिन कर्मचारियों को डिमांड है कि बचे दोनों शनिवार को भी ऑफ दे दिया जाए और 5 रविवार के दो प्रायश्चित्त दिया जाये। इसी डिमांड पर हड़ताल शुरू करने का ऐलान किया था, लेकिन 28 सितंबर को इसका शुरूआत से पहले ही कर्मचारी संगठनों और बैंकिंग संगठन के बीच बातचीत में समझौता बन गई। माना जा रहा है कि जल्द ही कर्मचारियों को 2 दिन और बढ़ाने का फैसला किया जा सकता है।

आईसीसी का अनोखा नियम: क्या एक ही समय पर दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेल सकती है एक टीम?



नई दिल्ली (ईएमएस)।

भारतीय क्रिकेट फैस इस समय रोमांचक के डबल डोज का अनुभव कर रहे हैं, क्योंकि टीम इंडिया एक साथ दो अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग ले रही है। यह सुनने में थोड़ा असामान्य लग सकता है, लेकिन हकीकत यह है कि भारतीय टीम अपने घर में वेस्टइंडीज के खिलाफ लिमिटेड ओवरों की घरेलू सीरीज खेल रही है और साथ ही जापान में जारी एशियन गेम्स में भी हिस्सा ले रही है। इस स्थिति ने कई लोगों के मन में यह सवाल उठाया है कि आखिर एक ही समय पर टीम इंडिया दो अलग-अलग इवेंट में कैसे खेल सकती है? आइए समझते हैं कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नियम इस स्थिति के बारे में क्या कहते हैं।

आईसीसी के नियमों के अनुसार, एक ही समय पर एक देश की दो अलग-अलग नेशनल टीमें विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में भाग ले सकती हैं। आईसीसी के नियमों में ऐसा करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है, बशर्ते कुछ शर्तें पूरी हों। सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह है कि भले ही एक समय पर एक देश की दो टीमें अलग-अलग इवेंट में खेल सकती हों, लेकिन वे एक ही टूर्नामेंट में दो टीमों नहीं उतार सकतीं। उदाहरण के लिए, जापान में चल रहे एशियन गेम्स में भारत की दो पुरुष टीमें हिस्सा नहीं ले सकतीं। यह नियम वनडे विश्व कप या टी20 विश्व कप जैसे प्रमुख टूर्नामेंटों पर भी लागू होता है। यही कारण है कि कोई भी देश अपनी दो आधिकारिक टीमें एक ही



45 साल की उम्र में शादी न करने का फैसला किया साक्षी तंवर ने

बॉलीवुड अभिनेत्री साक्षी तंवर न केवल 45 साल की उम्र में शादी न करने का फैसला किया, बल्कि एक बेटी को गोद लेकर समाज के सामने मातृत्व का एक नया उदाहरण भी पेश शादी के खिलाफ हैं, बल्कि उनका मानना रहा है कि शादी सिर्फ इसलिए नहीं करनी चाहिए क्योंकि समाज या परिवार ऐसा चाहते हैं। उन्हें अब तक कोई ऐसा व्यक्ति नहीं मिला, जिसके साथ वह पूरी जिंदगी बिताते का फैसला कर सकें। साक्षी का मानना है कि शादी जबदस्ती या जल्दबाजी में नहीं, बल्कि सही इंसान के मिलने पर होनी चाहिए। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा था कि शादी अपने आप होनी चाहिए और अगर किस्मत में होगी तो हो जाएगी, अन्यथा इसका मतलब यह नहीं कि जिंदगी अधूरी रह जाएगी। साक्षी तंवर का जन्म 12 जनवरी 1973 को राजस्थान के अलवर में हुआ था। उनके पिता राजेंद्र सिंह तंवर सीबीआई में अधिकारी रह चुके हैं। पढ़ाई पूरी करने के बाद साक्षी का सपना प्रशासनिक सेवा में जाने का था। उन्होंने दिल्ली के लेडी श्री राम कॉलेज से पढ़ाई की और आईएएस की तैयारी भी की। उस दौरान अपने खर्चों के लिए उन्होंने एक होटल में प्रशिक्षु के तौर पर भी काम किया था। उनका अभिनय की दुनिया में आना किसी योजना का हिस्सा नहीं था।

विराट कोहली ने शतक और 15 हजार वनडे रन के बाद करियर, फिटनेस और युवाओं पर की खुलकर बात

बोले -फ्री माइंड के लिए फिट शरीर जरूरी

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में शानदार शतक लगाने के साथ 15 हजार वनडे रन पूरे करने वाले विराट कोहली ने अपने करियर, फिटनेस, मानसिक तैयारी, युवा खिलाड़ियों और शुभमन गिल के साथ साझेदारी को लेकर खुलकर बात की। कोहली इस आंकड़े तक सबसे तेजी से पहुंचने वाले बल्लेबाज बने। हालांकि, उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत उपलब्धियां कभी

उनके लक्ष्य का हिस्सा नहीं रही और उनका ध्यान हमेशा परिस्थितियों को समझकर टीम के लिए योगदान देने पर रहा है। 15 हजार वनडे रन पूरे करने के बाद कोहली ने कहा कि उन्होंने कभी व्यक्तिगत रिकॉर्ड के बारे में सोचकर बल्लेबाजी नहीं की। उनका पूरा ध्यान स्थिति के मुताबिक टीम के लिए अपना काम करने पर रहा है। उन्होंने कहा कि उपलब्धियां अपने आप आती हैं और इतने लंबे समय तक क्रिकेट खेलने तथा इस मुकाम तक पहुंचने के लिए वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं। कोहली ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी



मेहनत और मिले अवसरों के लिए ईश्वर के प्रति आभार को दिया। अपनी निरंतरता के बारे में कोहली ने कहा कि खेल की समझ के साथ इस उम्र और करियर के पड़ाव पर फिटनेस भी बेहद महत्वपूर्ण है।

उनका कहना है कि मानसिक रूप से तरोताजा रहना और वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना उनके लिए जरूरी है। कोहली ने बताया कि वह अपने खेल में एक-दो गिघर ऊपर जाने की चुनौती पर काम कर रहे हैं

एशियन गेम्स : बारिश ने भारत को सीधे पहुंचाया सेमीफाइनल में

बेहतर रैंकिंग के आधार मिला अंतिम चार का टिकट

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने एशियन गेम्स में बिना एक भी गेंद खेले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। सोमवार को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाला क्वार्टर फाइनल मैच बारिश के कारण रद्द हो गया, जिसके बाद टूर्नामेंट के नियमों के तहत बेहतर रैंकिंग के आधार पर टीम इंडिया को अंतिम चार का टिकट मिल गया। यह घटनाक्रम काफी दिलचस्प रहा, क्योंकि इससे पहले पाकिस्तान बनाम हांगकांग क्वार्टर फाइनल मैच भी बिना किसी खेल के रद्द हो गया था, और पाकिस्तान भी इसी नियम के तहत सेमीफाइनल में पहुंच गया। भारत बनाम अफगानिस्तान का यह मुकाबला सुबह 10 बजे से शुरू होना था, जिसमें टॉस का समय



9-30 बजे निर्धारित था। टॉस में थोड़ी देरी हुई, लेकिन लगभग 5 मिनट के इंतजार के बाद ही मैच रद्द होने की घोषणा कर दी गई। ऐसे में कई क्रिकेट प्रेमियों के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आमतौर पर क्रिकेट में बारिश होने पर कुछ देर इंतजार किया जाता है, तो इस बार इतनी जल्दी फैसला क्यों लिया गया? इसका कारण कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क स्टेडियम की मौजूदा स्थिति में निहित है। सोमवार को तेज बारिश शुरू होने से पहले ही मैदान काफी गीला था। दरअसल, रविवार को भी यहां

भारी बारिश हुई थी, जिससे टीमों के अभ्यास सत्र भी प्रभावित हुए थे। यह स्टेडियम अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ज्यादा क्रिकेट मैचों की मेजबानी नहीं करता, इस वजह से मैदान सुखाने की सुविधाएं और ड्रेनेज सिस्टम भी उतना उन्नत नहीं है जितना बड़े क्रिकेट स्टेडियमों में होता है। बता दें कि एशियन गेम्स के लिए यहां हाइब्रिड पिच तैयार की गई है। इन्हीं सब कारणों के चलते टॉस के समय जैसे ही तेज बारिश फिर से शुरू हुई, यह स्पष्ट हो गया कि आज यहां किसी भी हाल में मैच खेल पाना संभव नहीं होगा।



भारतीय शतरंज टीम ने ओलंपियाड में रचा इतिहास, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय पुरुष और महिला शतरंज टीमों ने 46वें चेस ओलंपियाड 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश को गौरव दिलाया। पुरुष टीम ने प्रतिष्ठित सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि महिला टीम ने भी ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों टीमों को हार्दिक बधाई दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमारे शतरंज खिलाड़ियों को बधाई। उनका जुनून और दृढ़ संकल्प मिसाल कायम करने वाला है। उम्मीद है कि ये सफलताएं और भी कई युवाओं को शतरंज खेलने और उसमें बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेंगी।

अंतिम राउंड के रोमांचक मुकाबलों के बाद भारतीय पुरुष ओपन टीम ने सिल्वर मेडल पर कब्जा

जमाया। भारत ने हंगरी के खिलाफ 2-2 से मुकाबला ड्रॉ खेला। इस महत्वपूर्ण मैच में, मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को ग्लेब ड्रुडिन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, लेकिन अर्जुन एग्रीसे की ने पीटर लेको को हराकर भारत को बराबरी दिलाई और सिल्वर मेडल सुनिश्चित किया। पुरुष वर्ग में मेजबान उज्बेकिस्तान ने आखिरी राउंड में यूक्रेन को 2.5-1.5 से हराकर गोल्ड मेडल जीता, मुश्फिद्दीन मदामिनोव ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उज्बेकिस्तान ने भारत और जर्मनी से दो अंक आगे रहते हुए अपना दूसरा शतरंज ओलंपियाड खिताब जीता। भारत ने टाई-ब्रेक के आधार पर सिल्वर मेडल प्राप्त किया, जबकि जर्मनी ने नीदरलैंड्स को 2.5-1.5 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया, जिसमें मैथियास ब्लूबाउम की जीत निर्णायक रही।

रंग संसार

45 साल की उम्र में शादी न करने का फैसला किया साक्षी तंवर ने लस्ट स्टोरीज़ 3 में पेश की ससुर के साथ पिता और बेटी के रिश्ते की खूबसूरती

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में रिलीज हुई लस्ट स्टोरीज़ 3 में अभिनेत्री अदिति राव हैदरी अपने प्रदर्शन के लिए मिल रहे अपार प्यार का आनंद ले रही हैं। अदिति ने फिल्म में साथरा के रूप में न सिर्फ वासना, चाहत और महिला सुख की भावनाओं को बखूबी पढ़ें पर उतारती हैं, बल्कि गजराज राव द्वारा



प्रभावित करती है, वह उस परिवार की प्रगतिशील सोच थी, जहां ससुर इस लड़की के साथ खड़े होते हैं और उसके सहयोगी बनते हैं। क्योंकि हर कोई कहता है, ये तो हमारे घर की बच्ची है, ये तो हमारी बेटी है। लेकिन 1987 के दौर में एक लड़की का अपने ससुरों एक ऐसे व्यक्ति को पाना, जिसके साथ वह अपने मन की बात साझा कर सके, मुझे लगता है कि यह वाकई बहुत खूबसूरत है।ज अदिति के अनुसार, यह लगभग एक आदर्श प्रेम कहानी जैसी है, जहाँ इच्छाएँ अधूरी हैं, लेकिन वे सभी बहुत सारे प्यार के साथ अधूरी हैं। वह इस बात पर जोर देती हैं कि एक लड़की का अपनी कला के जरिए अपना साहस तलाश पाना, यह भी बेहद अद्भुत है। पति और ससुर, दोनों का इस सफर में उसका साथ देना बहुत खूबसूरत



सुनील पाल का सलमान पर हमला

मुंबई, यशभारत। कॉमेडियन सुनील पाल ने हाल ही में सलमान खान द्वारा बिग बॉस 20 के वीकेंड का वार एपिसोड में ट्रोलर्स को फटकार लगाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। सुनील पाल ने सलमान खान पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें स्टार बनाने में जनता का बड़ा योगदान है, और उन्हें ऐसे शो की मेजबानी छोड़ देनी चाहिए। सुनील ने सलमान से बिग बॉस शो को बंद करने की अपील की, इसे गटर शो तक कह डाला। उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि इस रियलिटी शो का समाज पर गलत प्रभाव पड़ रहा है, क्योंकि इसमें एक से बढ़कर एक कांड करने वाले लड़के-लड़कियां शामिल होते हैं। सुनील ने यह भी स्पष्ट किया कि वह ट्रोलिंग का समर्थन नहीं करते, लेकिन उनका मानना है कि किसी भी मुद्दे पर अपनी राय रखना गलत नहीं है, बशर्ते उसे सही और मर्यादित तरीके से व्यक्त किया जाए।

अनीत और अहान की डेटिंग की चर्चा

अभिनेत्री अनीत पड्डा और अभिनेता अहान पांडे एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। दोनों के बीच डेटिंग की अफवाहों तब तेज हो गईं, जब प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर उनकी छुट्टियों की तस्वीरों में समानताएं तलाश लीं। वर्ष 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'सैयारा' में दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसके बाद से ही दोनों कलाकारों को लेकर डेटिंग की अटकलें लगती रही हैं। अनीत पड्डा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी छुट्टियों की कई तस्वीरें साझा कीं।

सह-कलाकार के साथ भगवान का आशीर्वाद लिया, तो क्या बड़ी बात है: गोविंदा

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में एक साक्षात्कार में बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा ने अपने उपर लग रहे आरोपों पर खुलकर बात की। गोविंदा अपनी आगामी फिल्म रूपा की सफलता के लिए प्रार्थना करने लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे थे। उनके इस दौर को लेकर हो रही चर्चाओं पर उन्होंने कहा, इससे पहले मैं करिश्मा कपूर के साथ गया था और फिल्म हिट हुई थी। मैं रवीना टंडन के साथ गया था और मेरी फिल्म हिट हुई थी। यह मेरे लिए गुड लक है। लंबे समय बाद फिर से काम की शुरुआत कर रहा हूँ, इसलिए मैंने अपनी सह-कलाकार के साथ भगवान का आशीर्वाद लिया। इसमें क्या बड़ी बात है? क्यों इतनी बातें हो रही हैं? उनके बयान से यह स्पष्ट होता है कि वह इन दर्शनों को अपने लिए एक शुभ संकेत मानते हैं। एक तरफ गोविंदा लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी की तैयारी कर रहे हैं, वहीं उनके बेटे यशवर्धन आहुजा भी बॉलीवुड में कदम रखने के लिए तैयार हैं। यशवर्धन फिल्म हिर्रो की हॉररड्रैस से अभिनय की दुनिया में पदार्पण करने जा रहे हैं। यह फिल्म 7 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस



फिल्म में यशवर्धन के अलावा सुनीता आहुजा, नितोशी गोयल, जेमी लीवर, चंकी पांडे, बिजेंद्र काला और सिमरत कौर रंधावा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह गोविंदा और उनके परिवार के लिए एक रोमांचक समय है, जहाँ वे एक साथ नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं। गोविंदा ने अपनी

आने वाली योजनाओं के बारे में और दिगज कलाकार अनुपम खेर के साथ अपने अनुभवों पर खुलकर बात की है। उन्होंने रियलिटी शो में अपनी संभावित भागीदारी को लेकर चल रही अटकलों पर भी स्पष्टीकरण दिया। गोविंदा ने अनुपम खेर के अभिनय की जमकर तारीफ की। अनुपम खेर ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में गोविंदा की कला की प्रशंसा करते हुए कहा था कि इम्प्रोवाइजेशन, अभिनय और नृत्य में कोई उनका मुकाबला नहीं कर सकता। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए गोविंदा ने कहा, अनुपम खेर देश के बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं। उनके साथ काम करते समय मुझे एहसास हुआ कि वह कितने सरल, सहज और जमीनी इंसान हैं। वह हमेशा दूसरों के बारे में सोचते हैं और यदि उन्हें लगता है कि किसी काम को शूटिंग के बाद और बेहतर बनाया जा सकता था, तो वह खुद फोन करके उस पर बात करते हैं। यह टिप्पणी अनुपम खेर के साथ उनके गहरे सम्मान और व्यावसायिक रिश्ते को दर्शाती है। पिछले कुछ समय से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि गोविंदा किसी रियलिटी शो का हिस्सा बन सकते हैं।

